ऋषभ पंत और एमएस धोनी। (फाइल फोटो)

सहवाग ने बताया- कौन ले सकता है महेंद्र सिंह धोनी की जगह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। युवा विकेटकीपर ऋषभ पंत एमएस धोनी के उत्तराधिकार की दौड़ में सबसे आगे हैं। टीम इंडिया के पूर्व ओपनर वीरेंदर सहवाग भी इससे इत्तेफाक रखते हैं। सहवाग का मानना है कि पंत धोनी का बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। सहवाग ने कहा, मुझे लगता है कि ऋषभ पंत बेहतर विकल्प हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में खुद को साबित किया है और अब वह वनडे और टी20 में फिर से खुद को साबित करेंगे। महेंद्र सिंह धोनी की जगह लेने के लिए वह बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। धोनी ने साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान टेस्ट मैच से अपने संन्यास की घोषणा की थी और तब से ही टीम और सिलेक्शन कमिटी उनके रिप्लेसमेंट के लिए एक उपयुक्त खिलाड़ी की खोज कर रही थी। इस जगह को भरने के लिए ऋद्धिमान साहा के पास बेहतरीन मौका था लेकिन चोटों की वजह से वह ऐसा कर पाने में नाकाम रहे। उनकी अनुपस्थिति में दिनेश कार्तिक और पार्थिव पटेल को मौका दिया गया लेकिन वे भी अपनी छाप छोड़ने में सफल नहीं हो पाए।

सिंधु और प्रणीत ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, मेडल पक्के

वर्ल्ड चैंपियनशिप

पिछले दो आयोजनों में सिंधु ने जीते सिल्वर मेडल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बासेल (स्विट्जरलैंड)। भारत की शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और इसी साल अर्जुन अवॉर्डी बी साई प्रणीत ने अपने–अपने मुकाबले जीतकर शुक्रवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। महिला एकल के क्वॉर्टर फाइनल में सिंधु ने दूसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की ताइ जु यिंग को मात दी, जबकि पुरुष एकल क्वॉर्टर फाइनल में प्रणीत ने इंडोनेशिया के जॉनाटन क्रिस्टी को सीधे गेमों में हराया।

सिंधु का 5वां वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल पक्का: रियो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट सिंधु ने ताइ जु यिंग को कड़े मुकाबले में 12–21, 23–21, 21–19 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ दुनिया की 5वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु ने टूर्नमेंट का अपना पांचवां मेडल भी पक्का कर किया। वह इससे पहले दो बार सिल्वर और दो बार ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। सिंधु का वर्ल्ड चौंपियनशिप में लगातार तीसरा मेडल होगा।

पीवी सिंधु और साई प्रणीत।

३६ साल में पहले भारतीय पुरुष पुरुष एकल के क्वॉर्टर फाइनल में टूर्नमेंट में 16वीं वरीयता प्राप्त प्रणीत ने चौथे वरीय क्रिस्टी के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया और लगातार गेमों में 24–22, 21–14 से मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। उन्होंने 51 मिनट में यह मुकाबला जीता। इस साल अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुने गए प्रणीत 36 साल में वर्ल्ड चौंपियनशिप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष शटलर बनेंगे। उनसे पहले दिग्गज प्रकाश पादुकोण ने 1983 वर्ल्ड चौंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

क्रिस्टी के खिलाफ दूसरी जीत: साल 2017 के सिंगापुर ओपन चौंपियन प्रणीत और वर्ल्ड रैंकिंग में चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टी के बीच इससे पहले कुल तीन मुकाबले खेले गए जिसमें से 2 इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने जीते। प्रणीत ने इससे पहले केवल एक बार 2017 के थाइलैंड ओपन में क्रिस्टी को मात दी थी। प्रणीत इसी साल स्विस ओपन में उपविजेता रहे थे।

सिंधु ने बेहतर किया रेकार्ड: इस जीत के साथ सिंधु ने जु यिंग के खिलाफ अपना करियर रेकॉर्ड 5–10 कर लिया है। उन्होंने पिछले साल वर्ल्ड टूर फाइनल्स में सिंधु ने ताइ जु को 3 गेमों में मात दी थी।

दोनों के बीच इससे पहले कुल 14 मुकाबले खेले गए जिसमें से केवल 4 ही सिंधु ने जीते जबकि 10 मुकाबले चीनी ताइपे की खिलाड़ी ने अपने नाम किए थे।

जोश हेजलवुड के तूफान में उड़े अंग्रेज

67 रन पर ढेर, 1948 के बाद पहली बार हुआ ऐसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट का पहला दिन जोफ्रा आर्चर के नाम रहा था, जबकि दूसरे दिन जोश हेजलवुड (30/5) का तूफान देखने को मिला। आलम यह रहा कि मेजबान इंग्लैंड टीम अपनी पहली पारी में महज 27.5 ओवरों में 67 रन पर ही ढेर हो गई। हेजलवुड के अलावा ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस ने 23 रन देकर 3 विकेट झटके, जबकि जेम्स पैटिंसन ने महज 9 रन देकर दो विकेट अपनी झोली में डाले। कम स्कोर पर आउट होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया पहली पारी के आधार पर 112 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करने में सफल रहा। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 167 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

■ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सबसे खराब प्रदर्शन है

रेकॉर्ड पर नजर डाली जाए तो 1948 के बाद इंग्लैंड का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सबसे खराब प्रदर्शन है। 1948 में वह 42.1 ओवर में 52 रन पर ढेर हो गई थी।

दूसरी ओर, इंग्लैंड का यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8वां सबसे कम स्कोर है। हालांकि, उसका टेस्ट में सबसे खराब प्रदर्शन 1987 में आया था, जब पूरी टीम 45 रन पर पविलियन लौट गई थी।

सिर्फ एक बल्लेबाज दहाई पार लीड्स में जारी इस मैच की बात करें तो जब वह दूसरे दिन बैटिंग के लिए उतरी तो उसे चौथे ओवर में पहला झटका जेसन रॉय (9) के रूप में लगा। उन्हें पैट कमिंस ने कप्तान टिम पेन के हाथों लपकवाया। उस वक्त टीम स्कोर 10 रन था। टीम अर्धशतक पूरा करती इसे पहले ही उसके 6 बल्लेबाज पविलियन लौट गए। कप्तान जो रूट लगातार दूसरी पारी में भी बगैर खाता खोले हेजलवुड की गेंद पर डेविड वॉर्नर के हाथों लपके गए।

आस्ट्रेलिया ने बनाए थे 179 रन: इससे पहले तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की तूफानी गेंदबाजी की मदद से इंग्लैंड ने पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 179 रन पर समेट दिया था। अपना दूसरा टेस्ट मैच खेल रहे आर्चर ने 45 रन देकर छह विकेट झटके थे।

मनोज तिवारी ने बयान पर ट्वीट कर दी सफाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। क्रिकेटर मनोज तिवारी को उस वक्त सोशल मीडिया पर सफाई पेश करनी पड़ गई, जब धोनी पर दिए गए उनके एक बयान का विरोध होने लगा। दरअसल, मीडिया में एक खबर चल रही थी कि मनोज तिवारी ने पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी पर सिलेक्टरों को कड़े फैसले लेने की बात कही है। धोनी के फैन्स मनोज तिवारी के इस बयान पर उन्हें ट्रोल करने लगे। इसके बाद तिवारी ने खुद ट्वीट कर सफाई पेश करनी पड़ी।

धोनी की कप्तानी में ही इंटरनैशनल लेवल पर डेब्यू करने वाले बंगाल के इस खिलाड़ी ने लिखा– इंटरनेट पर आप जो कुछ पढ़ते हैं उस पर सिर्फ इसलिए भरोसा मत करिए, क्योंकि वहां एक तस्वीर और बयान है। इंटरनेट पर बयानों के साथ मुश्किल यह है कि वे कभी भी प्रमाणिक नहीं हो सकते हैं। खामोशी को कभी गलत बयान नहीं कह सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मनोज तिवारी ने अपने बयान में कहा था– धोनी ने टीम इंडिया के लिए काफी कुछ किया है। उन्होंने टीम के लिए उम्दा योगदान भी दिया है।

न्यूज डायरी

बतौर कप्तान पहली सफलता पर गर्व है रू हरमनप्रीत सिंह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को गर्व है कि बतौर कप्तान वह भारतीय हॉकी टीम को तोक्यो में ओलिंपिक टेस्ट टूर्नमेंट में खिताब दिलाने में कामयाब रहे। दुनिया की पांचवें नंबर की टीम भारत ने कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर युवाओं को मौका दिया था। इसके बावजूद न्यू जीलैंड को 5–0 से हराकर भारत ने खिताब जीता। हरमनप्रीत ने कहा, 'टीम में शामिल सभी खिलाड़ियों के लिए यह सुनहरा मौका था। कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिए जाने के कारण यह युवा टीम थी लेकिन सभी कसौटी पर खरे उतरे। मुझे अपनी टीम के प्रदर्शन पर फख्र है।'

उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम ने जापान, मलयेशिया, न्यू जीलैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। मेरे लिए यह गर्व की बात है कि मैने पहली बार इस टीम की कप्तानी की।' भारत के लिए 2016 एफआईएच चौंपियंस ट्रोफी, 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स के अलावा पिछले साल वर्ल्ड कप खेल चुके हरमनप्रीत रियो ओलिंपिक में सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक थे। उन्होंने कहा, 'पिछला ओलिंपिक खेलना यादगार अनुभव रहा लेकिन हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके।

यूएस ओपनः पहले दौर में मेदवेदेव से भिड़ेंगे प्रजनेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। भारत के पुरुष टेनिस खिलाड़ी प्रजनेश गुणेश्वरन को साल के चौथे ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन में मुश्किल ड्रॉ मिला है। गुणेश्वरन पहले दौर में शानदार फॉर्म में चल रहे रूस के डेनिल मेदवेदेव से भिड़ेंगे। वर्ल्ड रैंकिंग में मेदवेदेव फिलहाल पांचवें नंबर पर काबिज हैं और उनके खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए भारतीय खिलाड़ी को अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मेदवेदेव ने हाल में सिनसिनाटी ओपन में सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच को मात दी और खिताब अपने नाम किया था। एक रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा चौंपियन और वर्ल्ड नंबर–1 जोकोविक का मुकाबला पहले दौर में स्पेन के रोबर्टो कार्बालेस बाएना से होगा। जोकोविक और स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर को एक ही हाफ में ही जगह दी गई है और इन दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला हो सकता है।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का डेविस कप मुकाबला नवंबर तक स्थगित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) ने गहन सुरक्षा समीक्षा के बाद पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले भारत के डेविस कप मुकाबले को गुरुवार को नवंबर तक स्थगित कर दिया लेकिन मौजूदा 'असाधारण परिस्थितियों' के बावजूद आयोजन स्थल के रूप में इस्लामाबाद को बरकरार रखा है। भारत दोनों देशों के बीच बढ़े हुए राजनयिक तनाव के बीच इस मुकाबले को तटस्थ स्थान पर स्थानांतरित करने या फिर स्थगित करने की अपील बार–बार कर रहा था जिसके बाद आईटीएफ की डेविस कप समिति ने बैठक के बाद मुकाबले को स्थगित करने का फैसला किया। इस मुकाबले की नई तारीखों का पता नौ सितंबर तक चलेगा।

उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलेगी भारतीय महिला फुटबाल टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नयी दिल्ली। भारतीय महिला फुटबाल टीम एएफसी एशियाई कप 2022 की तैयारियों के तहत उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलेगी। हाल में कोटिफ कप में तीसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय महिला टीम 29 अगस्त और दो सितंबर को ताशकंद के याकासारी स्टेडियम में दो मैच खेलेगी। भारत की 29 सदस्यीय टीम ने यहां अभ्यास शिविर में इस दौरे के लिये तैयारियां शुरू कर दी है। भारत की मुख्य कोच मेमोल रॉकी ने कहा, ''टीम के लिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना बहुत अच्छा और उपयोगी है। इससे मैदान के अंदर और बाहर खिलाड़ियों में सुधार होता है। ''